

15, 101. Spr. 2976. *Dhūrtas*. in LA. 74, 4 (wo, wie schon LASSEN vermuthet, मञ्जु st. मञ्जु zu lösen ist). मञ्जु विद्याम्बुधौ Spr. 2641. मञ्जु-तन्मसि *man stürze sich in's Wasser* 2083. यमुनाम्भस्यमञ्जु (den Tod suchend) MBu. 2, 605. एवंप्रायेषसारेषु भोगेषु धीमान्को नाम मञ्जु ति KATHAS. 4, 133. मञ्जु untergetaucht, in's Wasser gegangen: अप्सु KĀTJ. Cr. 20, 8, 16. Kap. 3, 54. Spr. 2976. untergesunken, versunken: जले मञ्जु इवाद्भयः Arā. 6, 4. उद्धर्तुं भुवनमिदं भवाब्धिमग्नम् LA. (II) 92, 21. पङ्के सुडु-स्तरे Hit. 1, 4. पङ्क M. 11, 112. Spr. 3131. शोकपङ्कार्णवान्मग्नो धारा-डहर माम् MBu. 3, 7009. अगाधे रागासागरे DAÇAK. in BENF. Chr. 197, 6. अज्ञानतमसि Nir. 14, 7. अन्यामु चैव मग्नानामापत्सु MĀRK. P. 19, 26. अहं तु मग्नो (= दुःखमग्नौ Schol.) शोचामि in's Unglück gerathen R. 2, 74, 19. HARIV. 3982 (im vorherg. Çloka ist mit der neueren Ausg. कृपे st. मग्न zu lesen). 10320 (die neuere Ausg. मग्न). मग्नचन्द्रमिव (नष्ट st. मग्न ed. Bomb. 4, 17, 3) व्योम untergegangen R. 4, 16, 3. विलमगाधिवारगौ hineingeschlüpft RAGH. 12, 5. रिपुमग्नश्चल्य eingedrungen 16, 37. न शशाक ततो कर्तुं दृशं मग्नमिवात्र सः R. 3, 52, 19. सा तु मत्रा स्वदुः (स्वगुं die neuere Ausg.) मग्नम् eingefallen, eingedrückt HARIV. 4493. स्तनौ च विरलौ पीनौ मग्नौ मे मग्नचूचकौ । मग्नो चोत्सङ्गिनी नाभिः R. 6, 23, 13. नासिका Suçr. 1, 113, 6.

— caus. *untertauchen* (trans.), *eintauchen*, *versenken*, *untergehen lassen* ÇAT. Br. 4, 2, 5, 10. PAÑĀV. Br. 12, 3, 14. स्यात्मीम् KĀTJ. Cr. 5, 3, 30. 10, 9, 3. ÇĀKṢH. GRHJ. 3, 2. Nir. 9, 4. सलिले पुरा । आत्मानं मञ्जयन् श्री-मान्विषाणः पुनरुत्थितः MBu. 13, 192. Verz. d. Oxf. H. 233, a, 20. ज्ञातं ज्ञातं मा पुत्रम् — गङ्गाक्षितस्यमञ्जयत् *ersäufen* MBu. 1, 3908. मनांसि पाण्डुपुत्राणो मञ्जयत्यस्रवानिव 3, 2759. अणुनापि प्रविश्यारिं किंरेण व-लवत्तरम् । निःशेषं मञ्जयेद्वाट्टं पानपात्रमिवोदकम् ॥ Spr. 46. ज्ञातयस्ता-रयत्कीदृ ज्ञातयो मञ्जयति च 4083. अष्टौ दंष्ट्राः — देहेषु मञ्जयिष्यामि स्नि-ग्धेषु पिशितेषु च MBu. 1, 5935. तयोर्मर्मसु मर्मज्ञो मञ्जयन्निव तान् शरान् R. 6, 20, 16. पापे त्मानं मञ्जयिष्यत्यसत्पात् (so die ed. Bomb.) MBu. 7, 2116. यथा न भूय आत्मानमध्ये तमसि मञ्जये Bhāg. P. 6, 2, 35. *überschwem- men* : आपो भूवा मञ्जयते च सर्वम् MBu. 13, 7388. अमञ्जयच्छेकसागरः R. 2, 77, 13. रथान् — मञ्जयन् — वाणैः MBu. 8, 1220. Statt मञ्जयामास 3, 10756 ist मञ्जु zu lesen, welche Lesart NĪLAK. anführt.

— अव *unter's Wasser drücken* : विगाहस्व सीते मन्दाकिनीमिमाम् । कमलान्यवमञ्जतो पुष्कराणि च R. 2, 93, 14.

— आ, partic. आमग्न *ganz versunken* : विस्तारिरक्तार्णवामग्नलोकत्रय PRAB. 81, 12.

— उद् 1) *aufstauchen*, *emportauschen* TBr. 1, 1, 3, 6. अवतीर्य वापीं न्य-मञ्जन्न पुनरुदमञ्जत् MBu. 3, 13163. उन्मज्जोन्मज्ज सकृसा निमज्ज च पुनः HARIV. 16096. fg. R. GORR. 2, 71, 12. RAGH. 3, 43, 16, 79. KATHAS. 26, 87. Vid. 239 (उन्मज्ज). Spr. 2976. उन्मज्ज्यामि DAÇAK. 139, 12. शैलानाम् — उन्मज्जताम् ÇĀK. 107. उदमज्जि (pass. impers.) कैटभजितः शयनात् — तु-हिन्युतिना Çiç. 9, 30. उन्मग्न *aufgetaucht* Bhāg. P. 6, 4, 4. RĀGA-TAR. 1, 129. रसातलादिवोन्मग्नं शेषम् RAGH. 12, 70. SĀH. D. 168. — 2) *untertauchen* : सकृदुन्मज्ज्य ँच. GRHJ. 4, 4, 10. — caus. *versinken* machen, *untergehen lassen* : यमिदो न दक्ष्यगिरिपो नोन्मज्जयति (= उर्ध्वं नयति KULL.) च — स ज्ञेयः शपथे शुचिः M. 8, 115. — Vgl. उन्मज्जान.

— समुद्र *untertauchen* : स त्रिवेले समुन्मज्ज द्वादशाहेन मृध्यते MBu.

13, 6234.

— उप *untertauchen*, *versinken* : अयः प्रगाह्य मशिरस्कावनुपमज्जतौ स्नातः पत्नी यजमानश्च ĀPASTAMBA beim Schol. zu KĀTJ. Cr. 5, 3, 31. उप-मज्जयति स्या सलिलस्य मध्ये ÇAT. Br. 13, 7, 1, 15. LĀTJ. 4, 4, 10. med. ÇĀKṢH. Cr. 16, 16, 8.

— नि 1) *versinken*, *untersinken* : प्रवन् निमज्जति Suçr. Br. 3, 7 in Ind. St. 1, 40, 16. यथा प्रवेनौपलेन निमज्जत्युदके तरन् । तथा निमज्जतो ऽधस्ता-दक्षौ दातृप्रतीक्षकौ ॥ M. 4, 194. Arā. 8, 28. MBu. 3, 12888. Suçr. 4, 118, 10. Spr. 2324. 2638. 4022. KATHAS. 36, 83. Bhāg. P. 8, 24, 32. दस्युव्या-लाग्निशस्त्रादिभयेष्वधौ निमज्जताम् (partic.) MĀRK. P. 19, 25. शोके मुहु-श्चाविरतं न्यमाङ्गीत् BHATT. 3, 30. निमज्जे ऽहं सलिलस्य मध्ये Ait. Br. 8, 21. निमज्जमानम् — तमोमये क्रूदे SĀV. 6, 43. MBu. 7, 1441. *untertauchen* PĀR. GRHJ. 3, 10. ÇĀKṢH. Cr. 4, 13, 4. Suçr. 2, 362, 1. M. 3, 73. अव-तीर्य वापीं न्यमज्जन्न पुनरुदमञ्जत् MBu. 3, 13163. HARIV. 16096. PAÑĀT. 236, 7. निमज्जतश्च मत्स्यादान् (पत्तिणः) M. 3, 13. अन्मस्यस्या (so die ed. Bomb.) निमज्जेयम् *sich in's Wasser stürzen* MBu. 1, 6747. fg. 2, 607 (न्यमज्जत mit der ed. Bomb. zu lesen). BHATT. 13, 31. सरसि निममज्ज चिरम् *er blieb lange unter dem Wasser* MĀRK. P. 17, 17. न्यमज्जान्वृपते गिरिः *versank* (in die Erde) HARIV. 7334. सो (शरः) ऽस्य कापे न्यमज्जत eindringen in MBu. 6, 1702. तस्मिन् (तुहिने) न्यमज्जन् शालयः *verschwand* unter dem Schnee RĀGA-TAR. 2, 19. अग्निं zieht sich in seine Höhle zurück Suçr. 4, 116, 12. तृतीयमेतदालस्य ललाटस्थं तु लोचनम् । निमज्जिष्यति *wird verschwinden* MBu. 2, 1504. 1511. गुणवत्यल्पद्रोपः स्यान्निगुणे तु निमज्जति 13, 4414. एको हि द्रोपो गुणसंनिपाते निमज्जती-न्दोः किरणोद्यवाङ्कः KUMĀRAS. 1, 3 (Spr. 563). निमग्न *untergetaucht*, *unter's Wasser gegangen*, in's Wasser gefallen, *versunken* R. GORR. 2, 71, 12. MĀKṢH. 144, 9. प्रव ADDH. Br. in Ind. St. 1, 40, 16. कथं नु तं करं विहा-यासि निमग्नमभसि (अङ्गुलीय) ÇĀK. 140. ग्रामे प्रवृद्धान्वुनिमगे RĀGA-TAR. 3, 85. पङ्के निमगे करिणा Spr. 4006. Hit. 12, 2, 41, 15. यस्मिन् शोक-सागरे वत निमग्नो ऽहम् R. 2, 39, 32. तीव्रेण भक्तियोगेन निमग्नः (कुञ्जा-ङ्गिसुधायाम्) Bhāg. P. 3, 2, 4. अस्माकं तु निसर्गसुन्दरं चिराञ्जितो निमग्नं त्वयि तद्वानन्दनिधौ KUSUM. 63, 4. ÇVETĀÇV. Up. 4, 7. सवेदिकश्चेत्य (so die ed. Bomb.) इवातिमात्रः मुपुष्यितो भूमितले निमग्नः MBu. 8, 4712. वल्मी-कायनिमग्नमूर्ति ÇĀK. 170. तुरिकया क्षितया निमग्नया *eingedrungen* KA-THAS. 42, 47. वतसि निमग्नकुचद्वितयेन *versunken* in Çiç. 9, 74. अतिधवलो-तरच्छ्र DAÇAK. in BENF. Chr. 199, 6. अस्तनिमग्नमूर्त्य *untergegangen* RAGH. 16, 11. Gīt. 1, 7. भवता शास्त्रनोर्वशो निमग्नः पुनरुद्धतः MBu. 3, 924. संग्रामे भीष्ममासाद्य व्यादितास्पमिवातकम् । निमग्नः परलोकाय *eingegangen* zur anderen Welt 6, 4821. *ingesunken*, *vertieft* Suçr. 2, 311, 15. ऽनाभि VIKR. 80. ऽमध्या 129. — 2) *versenken*, *zu Fall brin- gen*, *stürzen* (trans.): मा निमज्जोः पितामहान् MBu. 1, 4156. 3, 4493. — Vgl. निमग्नक figg. — caus. *untertauchen* (trans.), *in's Wasser gehen lassen* : अग्निं वाहारेयेदेनमप्सु चैनं निमज्जयेत् M. 8, 114. in's Wasser wer- fen, *ersäufen* : निमज्जित MBu. 3, 10612. fg. in's Meer der Schlacht tau- chen, in's Treffen führen : कृष्यान्जपदातीश्च रथोश्च तरसा वहन् । निम-ज्जयतं (विमज्ज ed. Calc.) समरे परवीरापहारिणाम् 6, 538. कृष्यान्जा-न्यदातीश्च रथोश्च तरसा वहन् । न्यमज्जयत संग्रामे परवीरान्महारथान् ॥ HARIV. 13348.